6. जल प्रदूषण एक विकट समस्या के रूप में :-

वर्तमान समय में जल प्रदूषण एक विकट समस्या के रूप में हमारे सामने विद्यमान है।

हमारे वैदिक ग्रन्थों में उल्लेख मिलता है कि "जल ही प्राण है और अमृत के समान है।" शायद इसीलिए ब्रह्माण्ड के किसी ग्रह पर जीवन तलाशने से पहले हमारे विज्ञान वैज्ञानिक भी सबसे पहले जल को ही तलाशते हैं।

भारत में जनसंख्या व औद्योगीकरण जिस गति से बढ़ रहा है, उससे भविष्य में शुद्ध जल की कमी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जल प्रदूषण की समस्या सिर्फ एक राष्ट्र की नहीं है, बल्कि यह समस्या वर्तमान समय में पूरे विश्व की है।

एक समय था जब जल का खजाना लबालब भरा हुआ था, लोग कम थे और जल संकट जैसी कोई समस्या दूर-दूर तक नहीं थी, लेकिन वर्तमान समय ठीक इसके विपरीत है। आज मानव ने अपने लाभ के लिए जल का अनियन्त्रित व अविवेक पूर्ण तरीके से दोहन किया।

जिसका परिणाम आज हमारे सामने जल संकट व जल प्रदूषण के रूप में विद्यमान है। कभी मानव ने कल्पना भी नहीं की होगी कि उसके इस अविवेक पूर्ण कार्य से सम्पूर्ण प्राणि मात्र का जीवन संकट में पड़ जायेगा और जल प्रदूषण एक विभिषिका के रूप में विद्यमान होगा।

हम सभी यह अच्छी तरह जानते हैं कि शुद्ध जल को प्रदूषित जल में बदलने में मानव की

Scanned with CamScanner

महत्वपूर्ण भूमिका रही है, और हम यह भी जानते हैं कि इस विकट समस्या का हल भी मानव के द्वारा ही किया जा सकता है।

इस समय मानव को अपने निजी स्वार्थ त्याग कर जल प्रदूषण के विषय पर विवेक पूर्ण तरीके से मिलकर मंथन करना होगा, ताकि समय रहते इस विकट समस्या का निराकरण किया जा सके, और सम्पूर्ण मानव जाति को इस संकट से बचाया जा सके। मनुष्य एक विवेकशील व सामाजिक प्राणी है। इसीलिए मनुष्य की सभी पहलूओं पर विचार करके कार्य करना चाहिए।

मनुष्य व जल को एक दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। जल मनुष्य जीवन का अभिन्न अंग है। यदि जल में किसी प्रकार का अवांछित परिवर्तन होता है, तो उसका प्रत्यक्ष प्रभाव मानव जीवन पर भी पड़ता है।

वर्तमान समय में शुद्ध जल को प्रदूषित होने से बचाना मानव का सबसे बड़ा उत्तरदायित्व है। अपने इस उत्तरदायित्व का निर्वाह प्रत्येक व्यक्ति को बड़ी सजगता व कुशलता के साथ करना चाहिए। यह एक सामाजिक कार्य है। इस सामाजिक कार्य में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी अति आवश्यक है, क्योंकि यह समस्या किसी एक व्यक्ति या समुदाय से सम्बन्धित नहीं है।

Scanned with CamScanner

7. जल प्रदूषण के कारण:-

जल प्रदूषण की समस्या मनुष्य के भौतिकतावादी दृष्टिकोण, विज्ञान और औद्योगीकरण की निरन्तर प्रगति, बढ़ता औद्योगीकरण और शहरीकरण, वनों की कटाई, जनसंख्या में हो रही वृद्धि, अशिक्षा आदि के कारण विकराल होती चली जा रही है।

यद्यपि जल प्रदूषण की समस्या अभी बड़े शहरों तक ही अधिक विकराल है, लेकिन वह दिन दूर नहीं है, जब हमारे गाँव में भी यह समस्या उत्पन्न हो जायेगी।

निम्नलिखित तथ्यों ने जल को प्रदूषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है—

1- औद्योगिक अपशिष्ट के कारण जल का प्रदूषित होना।

2- घरेलू अपमार्जकों के द्वारा जल का प्रदूषित होना।

3- वाहित मल के कारण जल का प्रदूषित होना।

4- कृषि में उर्वरकों का अत्यधिक मात्रा में प्रयोग के कारण जल का प्रदूषित होना।

5- तेल के रिसाव के कारण जल का प्रदूषित होना।

6- रेडियोधर्मी पदार्थों के कारण जल का प्रदूषित होना।

7- धार्मिक अनुष्ठानों के कारण जल का प्रदूषित होना।

Scanned with CamScanner